इंदौर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 140
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

वैश्विक तनाव के बीच संतुलन की कूटनीति- भारत की परिपक्व विदेश नीति

अक्षय की बात अपनों के साथ

वैश्विक राजनीति के उथल-पुथल भरे दौर में जब महाशक्तियों के टकराव से अंतरराष्ट्रीय संतुलन बार-बार डगमगाता है, ऐसे समय में भारत ने एक बार फिर अपनी परिपक्व और जिम्मेदार विदेश नीति का परिचय दिया है। ईरान, अमेरिका और इज़रायल के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात में भारत का निष्पक्ष रुख न केवल उसकी कूटनीतिक सूझबूझ को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक संतुलित वैश्विक शक्ति के रूप में उभर चुका है। भारत के लिए यह स्थिति किसी परीक्षा से कम नहीं थी। एक ओर अमेरिका और इज़रायल जैसे रणनीतिक सहयोगी हैं, जिनसे रक्षा, तकनीक और व्यापार के गहरे संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान है, जो ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना, दूसरे के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता था।

यहीं भारत की कूटनीतिक परिपक्वता सामने आती है। भारत ने न तो किसी पक्ष का अंध समर्थन किया और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। उसने स्पष्ट रूप से शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान की वकालत की। यह रुख न केवल नैतिक रूप से उचित था, बल्कि व्यावहारिक दृष्टि से भी भारत के हित में था। भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र हमेशा 'रणनीतिक स्वायत्तता' रहा है। आज के बहुध्रुवीय विश्व में यह नीति और भी प्रासंगिक हो गई है। भारत ने यह दिखा दिया कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा बनने के बजाय, सभी के साथ संतुलित संबंध बनाए रख सकता है। इसका उदाहरण है कि वह एक ओर इज़रायल के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करता है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ चाबहार पोर्ट जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर भी काम करता है।

इस संतुलन के पीछे केवल कूटनीतिक रणनीति ही नहीं, बल्कि एक मजबूत और स्पष्ट नेतृत्व की इच्छाशक्ति भी है। वर्तमान नेतृत्व ने यह स्पष्ट किया है कि भारत की विदेश नीति किसी दबाव में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और वैश्विक शांति के सिद्धांतों के आधार पर तय होगी। यही कारण है कि भारत आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक विश्वसनीय और संतुलित आवाज के रूप में उभर रहा है। भारत का यह रुख वैश्विक समुदाय के लिए भी एक संदेश है कि शक्ति का प्रदर्शन केवल सैन्य ताकत से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णयों और संतुलित दृष्टिकोण से भी होता है। जब दुनिया ध्रुवीकरण की ओर बढ़ रही है, तब भारत का यह संतुलन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

- पाकिस्तान ने 'इस्लामाबाद वार्ता' के लिए आने वाले सभी लोगों को 'वीजा-ऑन-अराइवल' की अनुमति दी
- कुवैत के बेस पर ड्रोन से हमला
- वीडियो वायरल होने के बाद AIMIM ने हुमायूं कबीर की जनता पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ा
- हिज्बुल्लाह ने लेबनान बॉर्डर के पास इजरायली सैनिकों पर रॉकेट हमले का दावा किया
- नई दिल्ली: नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे
- पुतिन ने ऑर्थोडॉक्स ईस्टर पर 2 दिन के युद्धविराम की घोषणा की

वंदे मातरम विवाद में एआईएमआईएम के अध्यक्ष ने कहा हम तैयार है

बीजेपी को घेरने वाली कांग्रेस अपनों से ही घिर गई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के बजट सत्र में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर शुरू हुआ विवाद 'धर्म बनाम राष्ट्रवाद' के रूप में अब राजनीतिक रूप ले चुका है। बीजेपी-कांग्रेस के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) भी इस मुद्दे को लेकर मैदान में कूद गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया है कि रुबीना खान हमारे संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं से बातचीत चल रही है।

रुबीना ने कहा कि उन्हें कांग्रेस से बाहर निकालने वाले चिंटू चौकसे होते कौन हैं। यह उनकी नहीं राहुल गांधी की पार्टी है। मुझे पीसीसी से लेटर आएगा तो बात रखूंगी। मुझे तो ओवैसी की पार्टी से न्योता आ गया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली ने बताया कि रुबीना और फौजिया शेख अलीम के बयान का हमारी पार्टी समर्थन करती है। रुबीना हमारे संपर्क में हैं। उनका हमारी पार्टी में स्वागत है। हमारी पार्टी के अंदर ओवैसी साहब सबको बराबरी, समानता, इंसाफ की बात करते हैं। जो आना चाहे, उनका हम स्वागत करते हैं। पार्टी उनसे पहले से संपर्क में है। पार्टी जल्द ही उनकी जॉइनिंग कराएगी। इनके अलावा कई पार्षद हैं जो हमारे संपर्क में हैं। कांग्रेस के अन्य कई बड़े नेता भी हमारे संपर्क में हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, खरगोन और खंडवा के साथ ही अन्य एक दो शहरों के कांग्रेस पदाधिकारी संपर्क में हैं। मोहसिन अली ने कहा कि बीजेपी का कोई नेता हमारे संपर्क में नहीं है। कारण है कि बीजेपी की विचारधारा और हमारी विचारधारा अलग है।

मुस्लिम पार्षद बना रहे कांग्रेस से दूरी

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस में खींचतान काफी लंबे समय से चल रही है। वह खुलकर बाहर नहीं आ रही थी, लेकिन यह खुलकर सामने आ चुकी है। अब कांग्रेस में दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़ चिंटू समर्थकों का है तो दूसरा मुस्लिम नेताओं का। संगठन सृजन के बाद से ही कांग्रेस के अधिकतर मुस्लिम पार्षद दूरी बनाकर बैठे हुए हैं। बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस के मुस्लिम पार्षदों (फातमा रफीक खान, रुखसाना अनवर दस्तक, सुनेहरा अंशाफ अंसारी, अयाज बेग और शाहीन साजिद खान) ने पूरे सत्र से दूरी बनाकर रखी हुई थी।

रुबीना बोली- चिंटू ने पूरी मुस्लिम कौम को टारगेट किया

इंदौर में कांग्रेस की जमकर भद पिट रही है। अब इसने पूरी कांग्रेस को घेर लिया है। शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे ने उधर वंदे मातरम को कांग्रेस के हर कार्यक्रम में अनिवार्य कर दिया है। रुबीना को पार्टी से निष्कासित करने का प्रस्ताव भी पीसीसी को जीतू पटवारी को भेज दिया गया है। रुबीना इकबाल खान ने गुरुवार को इस विवाद पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती वंदे मातरम नहीं कहलवाया जा सकता है। चिंटू चौकसे कौन होते हैं मुझे पार्टी से बाहर करने वाले, यह उनकी नहीं राहुल गांधी की पार्टी है। मुझे पीसीसी से लेटर आएगा तो बात रखूंगी। रुबीना ने सफाई देते हुए कहा कि जब 60-60 लोग अकेली औरत को घेरे हों और इस तरह के नारे लगा रहे हों कि जूते मारो सालों को, वंदे मातरम कहना होगा, तो चिढ़ आ जाती है। यह गुस्से में बोला गया था, ऐसा नहीं बोलना था। रुबीना इकबाल ने कहा कि चिंटू चौकसे ने पूरी मुस्लिम कौम को टारगेट किया है। जब हमारे धर्म में अल्लाह के सिवा अन्य की इबादत नहीं है, तो फिर कैसे करेंगे। लेकिन चिंटू ने आदेश दे दिया, धौंस दी कि कांग्रेस के कार्यक्रम में वंदे मातरम् कहना होगा। मैं इस मामले में चिंटू की शिकायत करूंगी। चिंटू का मतलब है कि उन्हें मुसलमानों की जरूरत नहीं है। वह नाव में बैठकर छेद कर रहे हैं।

कांग्रेसी पार्षदों द्वारा नगर निगम के सम्मेलन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का विरोध करने पर आज सुबह भाजपा ने शहर के सभी 85 वार्डों में सामूहिक वंदे मातरम गीत गाया और कांग्रेस का पुतला दहन किया।

पार्टी की प्राथमिकता पहले जनभागीदारी समितियों का गठन, फिर सहकारिता चुनाव

दावेदारों के अरमान रह गए अधूरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पिछले सवा दो सालों से निगम मंडल और प्राधिकरण में ताजपोशी की राह देख रहे नेताओं के अरमान जल्द पूरे होने के आसार फिलहाल नहीं हैं। संगठन ने इसे कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में डालने का फैसला किया है। पार्टी का पूरा फोकस शेष बचे नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति और उसके साथ ही जनभागीदारी समितियों के गठन पर पर हो गया है। इसके बाद उसकी प्राथमिकता में सरकारी संस्थाओं के चुनाव हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने खुद इस बात के संकेत दे दिए हैं।

गौरतलब है कि निगम मंडलों में नियुक्ति को लेकर पिछले एक साल से कवायद चल रही है। इसे लेकर मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के साथ संगठन की कई दौर की बैठकें भी हो चुकी है। यहीं नहीं जिन नेताओं को ताजपोशी मिलनी है, उनके नामों पर दिल्ली में भी संगठन नेताओं के साथ एक दौर का मंथन हो चुका है। पर अब संगठन ने तय किया है कि पहले नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जाए। संगठन की सलाह पर सरकार प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति भी कर चुकी है। इनमें नगर परिषद और नगरपालिकाएं शामिल हैं। अब प्रदेश के 16 नगरनिगमों सहित 244 निकायों में भी नियुक्तियां होना हैं। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा पार्टी ने जिलों से जनभागीदारी समितियों के लिए भी नाम बुला लिए हैं। इस पर भी मंथन अंतिम दौर में चल रहा है। दरअसल पार्टी को अब अगले साल होने वाले नगरीय निकायों की चिंता सता रही है। इन चुनावों से पहले वह जिला और तहसीलस्तर पर कार्यकर्ताओं को पद देना चाहती है ताकि उन्हें संतुष्ट किया जा सके। नगरीय निकाय चुनावों से पहले नगरीय निकाय और उसके बाद जनभागीदारी समितियों के गठन का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद उसका फोकस सहकारिता चुनावों पर रहेगा। सूत्रों की मानें तो कम से कम अगले छह महीनों तक के लिए निगम मंडलों में नेताओं को एडजस्ट करने का मामला टल गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मीडिया से चर्चा में खुद कह चुके हैं कि निगम मंडल में नियुक्तियां पार्टी के लिए छोटा विषय है। अभी पार्टी का फोकस दूसरे विषयों पर है। पार्टी इसके साथ ही अपने विभिन्न मोर्चों को ब्लाक स्तर तक कार्यकारिणी भी गठन करना चाहती है। उसका अभी से ध्यान 2028 के विधानसभा चुनावों पर है। ऐसे में निगम मंडल के विषय को उसने कुछ समय के लिए होल्ड पर डाल दिया है। संगठन सूत्रों ने बताया कि इस दौरान बेहद जरूरी होने पर ही आयोगों में नियुक्ति की जाएगी।

नहीं होंगी निगम-मंडलों में नियुक्तियां

पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त रहेंगे नेता

प.बंगाल, असम, केरल समेत पांच राज्यों के चुनाव में पार्टी के कुछ नेताओं की केन्द्रीय संगठन ने ड्यूटी लगाई है। भोपाल के भाजपा सांसद आलोक शर्मा असम में डटे हैं तो विधायक रामेश्वर शर्मा को पश्चिम बंगाल भेजा गया है। इसके अलावा इसी प्रांत में आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते को भी सक्रिय किया गया है। इसके अलावा कुछ पूर्व विधायकों को भी यहां तैनात किया गया है। संगठन नेताओं का मानना है कि पांच राज्यों के चुनाव से फुर्सत होने के बाद केन्द्रीय नेतृत्व प्रदेश के नेताओं के साथ बैठक करेगा। इसके बाद राजनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से तय किया जाएगा। अभी भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक भी अपेक्षित है। यह भी अब इन राज्यों के चुनाव के बाद होने की संभावना है।

इंदौर में स्थिरता का संदेश: कलेक्टर की कार्यशैली पर भरोसा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में बीती रात प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल देखने को मिला। प्रदेश के करीब 25 प्रतिशत जिलों में कलेक्टरों का तबादला कर दिया गया, लेकिन इंदौर इससे अछूता रहा। यह महज एक संयोग नहीं, बल्कि प्रशासन के उस भरोसे का संकेत है जो इंदौर के वर्तमान कलेक्टर ने अपने काम और व्यवहार से अर्जित किया है।

इंदौर, जो देश के सबसे स्वच्छ और व्यवस्थित शहरों में अपनी अलग पहचान बना चुका है, वहां प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऐसे में कलेक्टर का पद केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभावनाओं से सीधा जुड़ा दायित्व बन जाता है। मौजूदा कलेक्टर ने अपने कार्यकाल में जिस तरह से आमजन से संवाद स्थापित किया, समस्याओं को सुना और उनके समाधान की दिशा में सक्रियता दिखाई, उससे उन्हें केवल एक अधिकारी नहीं बल्कि जन-हितैषी प्रशासक के रूप में स्थापित किया है।

उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी मिलनसारिता और सहज उपलब्धता रही है। आम नागरिक हो या जनप्रतिनिधि, हर वर्ग को यह भरोसा रहा कि उनकी बात सुनी जाएगी। यही कारण है कि प्रशासन और जनता के बीच एक विश्वास का पुल बना। साथ ही, मानवीय संवेदनाओं के प्रति सजग रहना—चाहे वह आपदा की स्थिति हो, गरीबों की मदद हो या शहर की मूलभूत जरूरतें—इन सबमें उनकी सक्रियता ने उन्हें लोकप्रिय बनाया।

आज के दौर में, जब अक्सर प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठते हैं, इंदौर में कलेक्टर को बनाए रखना यह दर्शाता है कि सरकार केवल बदलाव के लिए बदलाव नहीं करती, बल्कि जहां काम बेहतर हो रहा है, वहां स्थिरता को प्राथमिकता देती है। यह निर्णय प्रशासनिक निरंतरता और शहर के विकास की गति को बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक संकेत देता है। इंदौर जैसे संवेदनशील और तेजी से विकसित होते शहर में एक अनुभवी और जनप्रिय कलेक्टर का बने रहना निश्चित रूप से शहर के लिए लाभकारी होगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि उनकी कार्यशैली और जनता से जुड़ाव ही वह कारण है, जिसके चलते फिलहाल उन्हें इस तबादला सूची से 'बचा लिया गया'।

दस हजार से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड

मुंबई (एजेंसी) ● जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपको 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है।

आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।

70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी। आरबीआई ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

एप रिपोर्टिंग में फेल युवक कांग्रेस के पद होल्ड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● एमपी युवा कांग्रेस में काम में कोताही बरतने वाले नेताओं पर राष्ट्रीय नेतृत्व ने सख्त एक्शन लिया है। चुनाव संपन्न हुए अभी मात्र चार महीने ही बीते हैं, लेकिन 'WITH IYC' ऐप के जरिए हुए परफॉर्मेंस रिव्यू में फेल पाए गए 38 पदाधिकारियों के पदों को तत्काल प्रभाव से 'होल्ड' (Hold) कर दिया गया है।

इनमें 8 प्रदेश महासचिव, 27 प्रदेश सचिव और 3 जिला अध्यक्ष शामिल हैं। आदेश मध्य प्रदेश के प्रभारी महासचिव शिवी सिंह चौहान और सह-प्रभारियों के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन पदाधिकारियों को संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर नहीं पाया गया। पार्टी अब पूरी तरह से नेताओं की सक्रियता का डेटा 'WITH IYC APP' के जरिए ट्रैक कर रही है। ऐप के डेटाबेस में इन नेताओं की एक्टिविटी और सांगठनिक कार्य नगण्य पाए गए, जिसके बाद इन्हें 'निष्क्रिय' घोषित करते हुए इनके पदों पर रोक लगा दी गई है।

पार्टी ने इन्हें पद से सीधे बर्खास्त करने के बजाय सुधार के लिए 3 महीने का आखिरी मौका (प्रोबेशन पीरियड) दिया है। इस दौरान इन्हें ये शर्तें पूरी करनी होंगी।

प्रदेश महासचिवों के लिए : उन्हें अपने प्रभार वाले जिले में संगठन के कामों के लिए कम से कम 10 दिन बिताना अनिवार्य है।

प्रदेश सचिवों के लिए : उन्हें अपने प्रभार वाले क्षेत्र में कम से कम 7 दिन देकर संगठन को मजबूत करना होगा।

यदि आगामी 3 महीनों में ऐप पर इनकी सक्रियता संतोषजनक नहीं पाई गई, तो इन्हें इनके पदों से पूर्ण रूप से मुक्त कर दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सेन समाज साँवेर के पवन डाबी पुनः अध्यक्ष एवं मनोज शर्मा उपाध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● सेन समाज साँवेर की साधारण वार्षिक बैठक का आयोजन साँवेर अंकित परिसर में किया गया जिसमे सेन जयंती का आयोजन एवं समाज अध्यक्ष हेतु चयन किया गया जिसमें सर्व सहमति से वर्तमान अध्यक्ष पवन डाबी को लगातार तीसरी बार अध्यक्ष एवं मनोज शर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया डाबी और शर्मा का सभी ने पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया अध्यक्ष पवन डाबी ने बताया कि सेन समाज ने मुझपर भरोसा जताते हुए जिम्मेदारी सोपी है समाज हित में खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूँगा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हमारे आराध्य सेन जी महाराज की जयंती 14 अप्रेल को साँवेर में बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी इस अवसर पर सेन समाज के वरिष्ठ बाबूलाल शर्मा , कैलाश वर्मा, प्रेमस्वरूप शर्मा, बाबूलाल सत्संगी, लालबहदुर शर्मा, राधेश्याम भाटिया सहित समाज जनों ने बधाई दी

पार्षद राजीव जैन ने हैट्रिक लगाई, जैन समाज हर्षित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लगातार तीन साल से सतत बेस्ट पार्षद अवार्ड प्राप्त कर इंदौर नगर को तो गोरवान्वित कर रहे हैं साथ ही जैन समाज भी आप की कार्यशैली और अपने वार्ड की जनता का दिल जीत कर अपने वार्ड और जैन समाज को गौरवान्वित कर रहे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि तीसरी बार बेस्ट पार्षद का अवार्ड पाकर क्षेत्र के जन प्रिय विधायक महेंद्र हार्डिया बाबा का आशीर्वाद लिया तो बोले राजीव तूने तो अवार्ड की हेट्रिक कर ली मैने कहा सब आपका आशीर्वाद है.।

आंबेडकर जयंती महोत्सव की तैयारियां तेज, तीन दिन महू में रहेगा अनुयायियों का जमावड़ा

12 से 14 अप्रैल तक कार्यक्रम, कलेक्टर ने लिया जायजा, दिए दिशा-निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महू में आंबेडकर जयंती महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। 12 अप्रैल की शाम से महोत्सव की शुरुआत होगी, जिसका समापन 14 अप्रैल की शाम को किया जाएगा। मंगलवार को कलेक्टर शिवम वर्मा ने काली पलटन रोड स्थित आंबेडकर स्मारक पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान आंबेडकर मेमोरियल सोसायटी के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम का संभावित दौरा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 अप्रैल को बाबा साहब को नमन् करने स्मारक पहुंच सकते हैं। उनके संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए मुख्य सभास्थल सहित सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एएसपी रूपेश द्विवेदी से चर्चा की गई। आयोजन के दौरान लगभग 1000 से अधिक पुलिस जवान, 25 से अधिक थाना प्रभारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती रहेगी।

स्वर्ग मंदिर मैदान में बनेगी भोजनशाला–कलेक्टर ने स्वर्ग मंदिर स्थित मैदान का निरीक्षण कर भोजनशाला की तैयारियों का अवलोकन किया। यहां भोजन के अनुयायियों के ठहरने की व्यवस्था

साथ-साथ परंपरागत व्यवस्था भी की जाएगी। टोकन पद्धति से 24 घंटे भोजन की व्यवस्था के लिए 12 से अधिक अकाउंट बनाए जाएंगे।

चिकित्सा, अग्निशमन, स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था–कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भोजनशाला स्थल पर अग्निशमन यंत्रों एवं दमकल वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, साथ ही विशेष चिकित्सा शिविर, स्वच्छ पेयजल और सफाई व्यवस्था के लिए सफाई मित्रों की तैनाती की जाए।

खोया-पाया केंद्र की स्थापना–अनुयायियों की सुविधा के लिए मराठी भाषा में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु खोया-पाया केंद्र स्थापित किया जाएगा। यहां से आयोजन संबंधी जानकारी उद्घोषणा (अनाउंसमेंट) के माध्यम से दी जाएगी। यह केंद्र भोजनशाला के विश्राम कक्ष (डोम) के समीप बनाया जाएगा।

आंबेडकर स्मारक पर निर्माण कार्य जारी–पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा आंबेडकर स्मारक पर मरम्मत कार्य के साथ एक बड़े कक्ष का निर्माण किया जा रहा है। हालांकि निर्माण कार्य में विलंब के कारण फिलहाल बेसमेंट एवं बीम-कॉलम तक ही कार्य पूर्ण हो सका है... लिहाजा आयोजन के बीच यह निर्माण कार्य फिलहाल स्मारक की सुंदरता पर दाग लगा रहा है।

विभिन्न स्थानों पर ठहरने की व्यवस्था–महोत्सव के दौरान अनुयायियों के ठहरने के लिए सीबी गर्ल्स स्कूल परिसर, शासकीय मावि मोती महल, हरि फाटक स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा स्वर्ग मंदिर भोजनशाला में मुख्य व्यवस्था की गई है। इसके अलावा बौद्ध भिक्षुओं के लिए एबी रोड स्थित माहेश्वरी विद्यालय एवं रोडवेज डिपो पर भी विशेष ठहरने और भोजन की अलग व्यवस्था की जाएगी।

649 करदाताओं ने लिया फर्जी इनकम टैक्स रिफंड, आयकर की छापेमारी में खुलासा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में 649 करदाताओं ने फर्जी आयकर रिफंड लिया है। इसमें केंद्र और राज्य के अधिकारी और निजी कर्मचारी शामिल हैं। आयकर विभाग ने हाल ही में छापे मारे थे। इनमें भारी दस्तावेज जब्त किए गए थे। एक कर सलाहकार के यहां से भी रिकॉर्ड मिला था। अब जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें सामने आया कि 649 करदाताओं ने फर्जी रिफंड लिया है। इनकम टैक्स विभाग ने ऐसे करदाताओं को रडार पर लिया है।

मैनेजमेंट स्तर के कर्मचारी भी शामिल–फर्जी रिफंड क्लेम लेने वालों में केंद्र और राज्य के अधिकारी शामिल हैं। साथ ही निजी कंपनियों के बड़े पद पर काम करने वाले मैनेजमेंट स्तर के कर्मचारी भी शामिल पाए गए हैं।

टैक्स बचाने के लिए फर्जी क्लेम किए गए–आयकर विभाग ने कई जगह छापे मारे। साथ ही सर्वे भी किए। इसी दौरान इंदौर के कर सलाहकार दिनेश पंवार के यहां जांच हुई है। वहां बोगस रिफंड के दस्तावेज मिले हैं। इन दस्तावेजों से ऐसा डेटा मिला था जिसमें रिटर्न जांच में 649 लोग फर्जी क्लेम लेते पाए गए। अब इनकी विस्तृत जांच शुरू हो गई है।

यहां के है फर्जी क्लेम लेने वाले करदाता–सबसे ज्यादा करदाता इंदौर रेंज एक के हैं। यहां 300 से ज्यादा करदाता शामिल हैं। इंदौर चार रेंज में 235 करदाता हैं। वहीं उज्जैन रेंज में 34 करदाता शामिल हैं। अब सभी को नोटिस भेजे जाएंगे। सही रिटर्न भरने के निर्देश दिए जाएंगे।

इतना टैक्स देना होगा–नियमों के अनुसार 30 प्रतिशत टैक्स देना होगा। इसके साथ 200 प्रतिशत तक पेनल्टी लग सकती है। वहीं पिछले वर्षों का ब्याज भी वसूला जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों में कई मामलों में अब तक नहीं हुई कार्रवाई

यातायात को लेकर महीनों नहीं, सालभर से पेंडिंग है शिकायतें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर 4 अप्रैल तक दर्ज शिकायतें बताती है कि शहर में वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगातकर चलने वालों और सडक़ पर वाहन पार्क कर यातायात व्यवस्था बिगाडऩे वालों से शहर कितना परेशान है। यातायात के हर जोन से लेकर आईटीएमएस तक में शिकायतें की लंबी सूची है। कई शिकायतें ऐसी हैं, जिनमें महीनों बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अप्रैल के पहले ही सप्ताह तक करीब 45 शिकायतें यातायात पुलिस के पास लंबित है, जिसमें बुरे व्यवहार से लेकर अवैध वसूली, नंबर प्लेट, फुटपाथ और सडक़ों पर अतिक्रमण के साथ ही वाहन खड़े कर यातायात बाधित करना शामिल है। आईटीएमएस के पास एक शिकायत दूसरे शहर हैं, जो भी फिलहाल पेंडिंग में है। ये मामला फर्जी नंबर प्लेट का है, जिसमें प्रदेश के एक जिले के निवासी ने शिकायत में बताया है कि उनकी बेटी की स्कूटी का नंबर इंदौर में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके चलते उनकी बेटी के मोबाइल पर लगातार ई-चालान आ रहे हैं। इससे वह मानसिक रूप से परेशान है और किसी बड़ी घटना की आशंका भी जताई गई है। इसी तरह एक अन्य शिकायत में वाहन मालिक ने बताया कि उसकी बाइक का नंबर प्लेट किसी अन्य वाहन पर उपयोग हो रहा है और अब तक 12 बार चालान कट चुका है। एक ने लिखा है कि चालान राशि भरने के बाद भी पोर्टल पर वो पेंडिंग दिखा रहा है।

महिला आरक्षक ने किया सुसाइड का प्रयास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के फर्स्ट बटालियन में रहने वाली एक महिला आरक्षक ने गुरुवार को आत्महत्या की कोशिश की। महिला अपने फ्लैट में फंदे पर लटकी मिली। रात में परिजन ने उसे देखा तो नीचे उतारकर निजी अस्पताल ले गए। फिलहाल महिला पुलिसकर्मी बयान देने की स्थिति में नहीं है। सदर बाजार पुलिस के मुताबिक, महिला का नाम रूचि, पति पंकज है। वह अपने पति के साथ फर्स्ट बटालियन में रहती है। सदर बाजार पुलिस को रात करीब 11 बजे गोकुलदास अस्पताल से सूचना मिली। हालांकि रूचि अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके पति पंकज भी क्राइम ब्रांच में पदस्थ हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ एवं परिवहन उड़नदस्ता की सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार आरटीओ इंदौर एवं परिवहन उड़नदस्ता द्वारा राऊ क्षेत्र स्थित स्कूल एवं कॉलेजों के वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई तथा वाहनों का भौतिक निरीक्षण भी किया गया।

निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि वाहन फिटनेस एवं परमिट शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरणों एवं स्पीड गवर्नर की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई। बच्चों एवं उनके अभिभावकों से फीडबैक लेकर यह भी परखा गया कि वाहन चालक तेज गति से वाहन तो नहीं चला रहे हैं तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग तो नहीं कर रहे हैं।

जांच के दौरान एक ही कॉलेज की 4 बसें फिटनेस शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाई गईं, जिनकी फिटनेस मौके पर ही निरस्त कर दी गई। इसके अतिरिक्त 1 बस बिना फिटनेस के संचालित पाई गई, जिस पर नियमानुसार जुर्माना लगाया गया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित गाइडलाइन एवं परमिट शर्तों के उल्लंघन के मामलों में कुल 13 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस कार्रवाई में आरटीओ प्रदीप शर्मा, एआरटीओ सुश्री अर्चना मिश्रा, एआरटीओ राजेश गुप्ता, संभागीय परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले सहित आरटीओ एवं उड़नदस्ता स्टाफ उपस्थित रहा। आरटीओ विभाग द्वारा बताया गया है कि स्कूल एवं शैक्षणिक संस्थानों के वाहनों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने हेतु जिले में आकस्मिक चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जगजीवनराम नगर में निकाली प्रभात फेरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना जगजीवन रामनगर , कनु पटेल की चार लिंग ई सेक्टर, जय मल्हार भवन खाड़ी क्षेत्र में आज प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई पहले भगवान का पूजन अर्चन किया गया उसके पश्चात यात्रा प्रारंभ हुई विभिन्न घरों पर दीए जलाकर फूलों से भगवान जी परशुराम जी का पूजन और आरती की गई। धर्म प्रेमी जनता को 18 अप्रैल 2026 को निकालने वाली संस्कार यात्रा के लिए निमंत्रण भी दिया गया। उपरोक्त अवसर पर श्री परशुराम सेना इंदौर प्रकाश शर्मा (पप्पी), सुरेश शर्मा सतनारायण शर्मा, प्रेम भाई शर्मा, पंडित दिलीप दुबे , श्रीमती प्रेम माई,शर्मा, श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती किरण शर्मा, विद्या शर्मा, श्रीमती कुसुम जी शर्मा, रमेश शर्मा लड्डू वाले के शर्मा,पंडित लालटेष शर्मा, कल्लू भैया, पंडित दिनेश शर्मा लड्डू वाले पार्षद रूपेश देवलिया, विशाल शर्मा,विजद्र दीक्षित, मोनेष जोशी अजय त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

शहर में बिजली मैंटेनेंस के महा अभियान में 500 कार्मिक लगाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के आदेश पर शहर में मैंटेनेंस का महा अभियान प्रारंभ किया गया है। शहर के 31 जोन से संबंधित निम्न दाब और उच्च दाब लाइनों, ग्रिडों, ट्रांसफार्मरों के मैंटेनेंस के लिए करीब पांच सौ कार्मिक लगाए गए हैं। शहर वृत्त अधीक्षण अभियंता डीके गाठे ने बताया कि मार्च में वार्षिक परीक्षाओं को देखते हुए टाला गया था, इस वजह से महा अभियान अप्रैल के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ किया गया है। गाठे ने बताया कि हाईड्रा गाड़ियों के साथ ही शहर की करीब अन्य 100 गाड़ियों, 60 इंजीनियरों समेत 500 कार्मिकों के माध्यम से गुणवत्ता से मैटेनेंस कराया जा रहा है। निम्न दाब लाइनों का लोड बैलेंसिंग कार्य, लाइन, ट्रांसफार्मरों के पास पेड़ों की टहनियों की कटाई, ट्रांसफार्मरों का मैंटेनेंस, लंग्स के कार्य इत्यादि कराए जा रहे है, वहीं उच्चदाब लाइनों के जम्पर, एबी स्वीच, ग्रिडों के पीटीआर, वीसीबी, आईसोलेटर इत्यादि के कार्य हो रहे हैं। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि मैंटेनेंस के महा अभियान का उद्देश्य अप्रैल अंत या मई में बिजली की मांग बढ़ने के फलस्वरूप गुणवत्ता से बिजली प्रदाय करने के साथ ही मानसून के पहले की विभागीय गतिविधियों को पूर्ण करना है, ताकि अवरोध न्यूनतम आए। गाठे ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के अनुसार गर्मी को देखते हुए सुबह जल्दी मैंटेनेंस कराया जा रहा है, 90 प्रतिशत कार्य सुबह 6 से लेकर 9 बजे तक पूर्ण कराया जा रहा है, ताकि तापमान बढ़ने के पहले मैंटेनेंस वाले क्षेत्र की आपूर्ति सामान्य कर दी जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यालय के प्रभारी अधिकारियों के समक्ष मैंटेनेंस गतिविधियों का प्रजेंटेशन भी दिया जा रहा हैं।

जिले में एचपीवी टीकाकरण महाअभियान का व्यापक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संपूर्ण राष्ट्र एवं प्रदेश के साथ इंदौर जिले में भी सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एच.पी.वी. टीकाकरण महाअभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम द्वारा यह अभियान चलाया गया। गुरुवार को जिले में 300 से अधिक टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 150 ग्रामीण एवं 150 से अधिक शहरी क्षेत्रों में सत्र संचालित हुए। इन सत्रों में 98 शासकीय एवं 139 निजी विद्यालयों सहित स्वास्थ्य संस्थानों को भी शामिल किया गया। महाअभियान के अंतर्गत कुल 3577 किशोरियों का टीकाकरण किया गया।

प्रदेश भर में निगम कर्मचारी कामगारों के लम्बित प्रकरणों के निपटान हेतु विशेष शिविर लगेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कर्मचारियों की लंबित मांगों के निपटान हेतु प्रदेश स्तर पर सभी नगरीय निकायों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे इस हेतु नगरीय प्रशासन ने अर्द्ध शासकीय पत्र क्रमांक 7433 दिनांक 31/03/2026 को भोपाल से कमिश्नर संकेत भोंडवे ने अपने हस्ताक्षर से सभी निगम आयुक्त एवं सी एम, ओ, को भेजते हुए आदेशित किया है कि15 अप्रैल 26 को सभी कर्मचारी कामगारों के पेंशन, अनुकंपा नौकरी, बीमा, सह बचत आदी आदि प्रकरणों का निपटान शिविर आयोजित कर किया जाए, उक्त जानकारी देते हुए कर्मचारी कामगार संघ संयोजक महेश गौहर ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारी कामगार यूनियनों की मांग पर सरकार अब जागी ओर प्रदेश के उज्जैन, रतलाम,भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इन्दौर सहित सभी नगर पालिका परिषदों में शिविर आयोजित किए जाएंगे इंदौर में 15 अप्रैल 26 को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक मुख्यालय परिसर में शिविर आयोजित किया जाएगा।

इंदौर प्रेस क्लब के स्थापना दिवस पर हुई किस्सागोई, 64 दीप प्रज्जवलित किए गए..

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की पत्रकारिता का पूरे देश में एक अलग मुकाम है, निःसंदेह इस मुकाम तक पहुंचाने में मूर्धन्य पत्रकार एवं संपादक स्व. राजेंद्र माथुर जैसे मनीषियों का अहम योगदान रहा है। इंदौर ने हिंदी पत्रकारिता को एक अलग पहचान दी। निर्भीक, साहसिक और सत्ता से भिड़ जाने का माद्दा पूरे देश को इंदौर ने ही सिखाया। यह बात इंदौर प्रेस क्लब के 64 वें स्थापना दिवस पर गुरुवार शाम इंदौर घराने की पत्रकारिता पर किस्सागोई कार्यक्रम में वक्ताओं ने कही। राजेंद्र माथुर सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों ने इंदौर की विलक्षण पत्रकारिता के एक से बढ़कर एक किस्से सुनाए और बताया कि आखिर क्यों इंदौर की पत्रकारिता की पहचान और ख्याति पूरे देश में कुछ अलग सी है। किस्सागोई में पूर्व अध्यक्ष सतीश जोशी, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी, तपेन्द्र सुगंधी, प्रवीण शर्मा और अरविंद तिवारी ने पत्रकारिता के अनेक रोचक किस्से सुनाकर तालियां बटोरी। तत्पश्चात प्रेस क्लब परिसर में 64 दीप प्रज्जवलित किए गए, आतिशबाजी हुई और बैंड पर कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इससे पहले सुबह मूर्धन्य संपादक स्वर्गीय राजेंद्र माथुर के पुण्य स्मरण दिवस पर स्व. राजेंद्र माथुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

महापौर-आयुक्त ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ, जल रथ का शुभारंभ

स्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग के विजेताओं का सम्मान, वार्ड 63 प्रथम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में आयोजित ह्रस्वच्छ इंदौर वार्ड रैंकिंग 2025-26 एवं देपालपुर वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह रवीन्द्र नाट्य गृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने विजेताओं को सम्मानित किया। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि शहर के सभी वार्डों में आयोजित प्रतियोगिता में स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुई।

जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई: कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 22 जोनों के सफाई मित्रों एवं ड्रेनेज कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न रहवासी संगठनों, स्कूलों, अस्पतालों, शासकीय कार्यालयों एवं बाजारों के प्रतिनिधियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने हेतु जल रथ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रतियोगिता जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है और स्वच्छता इंदौर की पहचान बन चुकी है। उन्होंने सभी नागरिकों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

इंदौर वार्ड रैंकिंग परिणाम

प्रथम– वार्ड 63 पार्षद मृदुल अग्रवाल
द्वितीय– वार्ड 49 राजेश उदावत
तृतीय – वार्ड 44 – निशा रूपेश देवलिया

श्रेष्ठ पार्षद

प्रथम– पराग कौशल
द्वितीय – राजीव जैन
तृतीय – राहुल जायसवाल
विशेष सम्मान– रूपाली पेंढारकर (वार्ड 59)

देपालपुर वार्ड रैंकिंग

प्रथम – वार्ड 14 (आजाद वार्ड)
द्वितीय–वार्ड 12 (फिरोज गांधी वार्ड)
तृतीय– वार्ड 4 (गणेश वार्ड)

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

खरगौन ने जल संरक्षण में की विशेष उपलब्धि हासिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन में इंदौर संभाग के खरगौन जिले के कसरावद विकासखंड ने उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। प्रदेश में खरगौन जिले को भी जल संरक्षण में किये गये विशिष्ट कार्यों के लिये तीसरा स्थान मिला है। प्रदेश में बारिश के पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने और पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। 19 मार्च से शुरू हुए अभियान अंतर्गत पूरे प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर, कूप रिचार्ज पिट जैसे कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खरगोन जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। कसरावद विकासखंड ने 7.01 स्कोर अर्जित कर राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अभियान के अंतर्गत ब्लॉक में 1,236 लक्षित कार्यों के विरुद्ध 855 कार्य पूर्ण किए गए। कुल 24.10 करोड़ की स्वीकृत राशि में से 20.76 करोड़ (86.1 प्रतिशत) की प्रभावी व्यय-बुकिंग दर्ज की गई, जो वित्तीय प्रबंधन एवं कार्य निष्पादन की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

रमेश की स्मृति में लगने वाले निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आएंगे विशेषज्ञ डॉक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●देश-विदेश के समूचे वैश्य घटकों को धर्म और समाज के साथ एकता के गठजोड़ में बांधने और संतों का हमेशा सम्मान करने वाले ब्रह्मलीन समाजसेवी रमेशचंद्र अग्रवाल की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 12 अप्रैल को एबी रोड स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन (चिड़ियाघर के सामने) पर दिनेश-राज मित्तल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परामर्श शिविर में देश के अनेक जाने माने प्रख्यात चिकित्सक और विशेषज्ञ अपनी सेवाएँ देंगे बल्कि इस शिविर में शेल्बी हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा अपने 50 सहयोगी बंधुओं की टीम के साथ दोपहर 2 बजे तक लगातार सेवाएँ दी जाएगी।

30 हजार नर्सिंग छात्रों का जारी नहीं होगा रिजल्टः हाईकोर्ट

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश के उन 30 हजार छात्रों पर संकट गहरा गया है, जिन्होंने पिछले साल जीएनएम की परीक्षाएं दी थीं। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने इन छात्रों के रिजल्ट घोषित करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। बेंच ने सरकार को सभी 30 हजार छात्रों का विस्तृत ब्यौरा पेश कर यह बताने को कहा है कि किस छात्र ने किस कॉलेज में एडमिशन लेकर परीक्षा दी। बेंच की मंशा यह जानने की है कि अयोग्य कॉलेजों में एडमिशन लेकर छात्रों ने बिना क्लास अटेंड किए परीक्षाएं दीं, वे पात्र हैं भी या नहीं। अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होगी।

हाईकोर्ट ने ये निर्देश लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन की ओर से 2022 में दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई के बाद दिए। जब यह फर्जीवाड़ा हुआ उस दौरान विश्वास सारंग प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक बगरेचा ने डिवीजन बेंच को बताया कि किस तरह नर्सिंग कॉलेजों के इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया। सरकार की ओर से रिजल्ट घोषित करने की अनुमति मांगी गई, जिसे बेंच ने ठुकरा दिया। सुनवाई के दौरान इटारसी के दो नर्सिंग छात्रों की ओर से प्रार्थना की गई कि उनका कोर्स पूरा हो चुका है। सिर्फ परीक्षा देना बाकी है। ऐसे में उन्हें इटारसी के ही किसी योग्य कॉलेज में ट्रांसफर कराकर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाए। बेंच ने कहा कि इस तरह की अनुमति देकर हम अमान्य कॉलेज पर अपनी मुहर नहीं लगा सकते।

ये शटर वाली दुकान है

याचिकाकर्ता ने फोटोग्राफ पेश कर बताया कि किस तरह फर्जी नर्सिंग कॉलेजों का संचालन हो रहा है। फोटो देखकर बेंच ने कहा कि यह कॉलेज नहीं, शटर वाली दुकान है। ऐसे कॉलेज में छात्रों ने क्या पढ़ाई की होगी और परीक्षा देकर वो कैसे स्टूडेंट ऑफ मेडिसिन बनेंगे, यह समझ से परे है। कोर्ट ने कहा कि इस फर्जीवाड़े को देखकर यह पता लगाना जरूरी है कि कौन सा छात्र सही है और कौन सा नहीं। यदि किसी छात्र ने पात्र कॉलेज में एडमिशन लेकर क्लास अटेंड की, तो वह योग्य माना जाएगा।

उपभोक्ता शिकायत पर न्यू पलासिया क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार पाए जाने पर प्रकरण तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा 311 ऐप पर प्राप्त उपभोक्ता शिकायत के आधार पर न्यू पलासिया स्थित का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर फर्म के पार्टनर तर्ष लखवानी उपस्थित पाए गए। जांच के दौरान प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबार के लिए वैध खाद्य पंजीयन उपलब्ध नहीं पाया गया। मौके से पनीर, दही, चावल, राजमा के कुल 05 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

प्रथम दृष्टया बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्रकरण तैयार किया गया है। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसी क्रम में एक अन्य रूटीन जांच कार्रवाई के तहत न्यू पलासिया स्थित दाल बाटी सुरमा का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के पार्टनर श्री नवल परिहार की उपस्थिति में दही, तुअर दाल, चावल एवं बाफले का आटा के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य कारोबार संचालकों से अपील की है कि वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए वैध लाइसेंस/पंजीयन के साथ ही खाद्य कारोबार संचालित करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच जारी रखी जाए।

चेतावनी के बाद भी अग्नि सुरक्षा के प्रबंध नहीं करने वालों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आज जूनी इंदौर एवं मल्हारगंज अनुभाग क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कार्रवाई की गई। विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को सील किया गया। जूनी इंदौर अनुभाग में एसडीएम घनश्याम धनगर के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम के संयुक्त दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भंवरकुआँ स्थित मारुति सुजुकी एरिना शोरूम, सुकून सिग्नेचर होटल, भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित लाइब्रेरी एवं जिम सहित टावर चौराहा स्थित विनर्स कोचिंग क्लास, रेमंड शोरूम एवं अन्य दुकानों की जाँच की गई। इसी क्रम में गीता भवन स्थित तुलसी टावर की दुकानों, टैरेस पर संचालित कैफे एवं टर्फ, नेक्सा मारुति शोरूम तथा इंडस्ट्री हाउस चौराहा स्थित महिदपुर वाला फर्नीचर एवं अन्य संस्थानों का भी निरीक्षण किया गया।

घर नहीं पहुंच रही है गैस टंकी एजेंसी से दे रहे हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गैस के लिए काफी मारामारी अभी खत्म नहीं हुई है, क्योंकि कंपिनयों की शक्ति से यहां काम करना मुश्किल पड़ रहा है । वही ग्राहक अपना काम छोड़कर सुबह से पहुंच रहे हैं। एबी रोड़ शॉपिंग परिसर में काफी संख्या में उपभोक्ता अपनी खाली टंकी लेकर आ रहे हैं। पहले पैसे जमा कर फिर खाली टंकी लेकर लाइन में लगकर भरी टंकी लेते हैं । जिसके चलते बहुत समय लग रहा है । उपभोक्ताओं में भारी मारामारी चल रही है 'वही एजेंसियों के सामने ही लोडिंग लेकर खड़ा .होकर टंकी दे रहा है ग्राहकों का कहना है कि एक तो बुकिंग नहीं हो रही है और यदि भी होती है तो घर गैस टंकी नहीं आ रही है इसलिए अपना काम धंधा छोड़कर यहां आना पड़ रहा है यहां पर रहता इसलिए है कि कम से कम गैस की टंकी तो दे रहे हैं । परंतु अपना काम छोड़कर घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है ऐसी परेशानियों से उपभोक्ताओं में काफी नाराजी व्यक्त कर रहे हैं ।

सांवेर● विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर परम पूज्य साध्वी शिलरेखा श्री जी के सानिध्य में विश्व कल्याण के लिए सामुहिक नवकार महामंत्र का जाप किया गया। इस अवसर पर श्रावक दीपचंद बावेल व श्राविकाएं उषा बावेल, अलका कोठारी, सीमा कटारिया, संध्या कटारिया, बैबी जैन, शोभा कटारिया, किरण जैन, ममता जैन, लीना जैन, पदमा जैन, मधु जैन, शवैता जैन सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं नवकार महामंत्र के जाप में शामिल हुए ।

राजपूत लेडीज क्लब के केसरिया समूह की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर हुई एजीएम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राजपूत लेडीज क्लब के केसरिया समूह की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर संस्था की प्रथम अध्यक्ष जितेन्द्र कुमारी सेजवाया एवं श्रीमती बिंदु चौहान के मार्गदर्शन में स्थापना दिवस के साथ ही वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) का आयोजन भी किया गया। क्लब की अध्यक्ष गीतांजलि राणावत, सचिव चंद्रजीत जादौन एवं कोषाध्यक्ष रंजना राणावत ने बताया कि 7 अप्रैल 2016 को स्थापित केसरिया समूह ने पिछले 10 वर्षों की अपनी विकास यात्रा में फाग उत्सव, गणगौर, बिरासत की रसोई, पिकनिक और केसरिया एक्जीबिशन सहित अनेक प्रकल्प संचालित किए और उनसे प्राप्त धनराशि का उपयोग जरूरतमंद कन्या के विवाह, बालिकाओं की शिक्षा, यूनिफार्म, फीस, स्टेशनरी एवं अन्य सेवा कार्यों में किया। मीडिया प्रभारी श्रीमती सविता रघुवंशी ने बताया कि वार्षिक साधारण सभा के दौरान संस्था के हिसाब किताब का ब्यौरा प्रस्तुत कर उस पर सभी सदस्याओं की सहमति प्राप्त कर आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की गई और स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एकदूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मिठाई का वितरण भी किया गया।

प्रदेश में गेहूं खरीदी में देरी पर कांग्रेस का प्रदर्शन, सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया : जीतू पटवारी

भोपाल (एजेंसी) ● मप्र में आज से चार संभागों में गेहूं खरीदी शुरू हो गई है। इस बार गेहूं खरीदी देरी से शुरू होने के पीछे सरकार इजराइल-ईरान युद्ध का हवाला दे रही है। ऐसे में गेंहू खरीदी में देरी को कांग्रेस ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। खंडवा में कांग्रेस में प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। करीब 5 हजार से ज्यादा कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल हुए है। रतलाम में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी में धरना दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान भी शामिल हैं। भोपाल-श्योपुर में भी कांग्रेस ने नारेबाजी की।

इधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया है। बारदाने की कमी का बहाना बनाकर गेहूं खरीदी नहीं की गई। यह किसानों को धोखा देने की कोशिश है। भोपाल से छतरपुर रवाना होने से पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि तथ्यों से साबित हो गया है कि भाजपा, शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र मोदी और मोहन यादव किसान विरोधी हैं। लगभग 10 लाख क्विंटल गेहूं ओपन मार्केट में बिक चुका है। करीब 25% गेहूं 1600 से 2000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव में बेचा गया है। पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं, 3100 रुपए धान और 6000 रुपए सोयाबीन का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष होने के बावजूद मध्य प्रदेश में किसानों का शोषण हो रहा है। उन्होंने बताया कि आज पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी जिला कलेक्टर कार्यालयों का घेराव कर रही है। दो दिन बाद प्रदेशभर में किसानों के साथ उपवास किया जाएगा। साथ ही उज्जैन में किसानों को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

स्वामी महामनदास इस्कॉन के वाईस चेयरमैन बने, संतों-भक्तों ने किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● निपान्या स्थित अंतर्राष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर इंदौर के अध्यक्ष एवं इस्कॉन उत्तर भारत के जोनल सेक्रेटरी स्वामी महामनदास को अब इस्कॉन इंडिया ब्यूरो का वाईस चेयरमैन मनोनीत किया गया है। यह ब्यूरो देशभर के इस्कॉन मंदिरों के प्रमुखों का समूह है। गुरुवार को जैसे ही इंदौर के भक्तों और संतों को यह शुभ समाचार मिला, उनके प्रशंसकों का मजमा निपान्या स्थित मंदिर पर जुटने लगा। यही नहीं स्वामी महामनदास को गत 4 अप्रैल को होटल ग्रैंड शेरेटन ग्रैंड पैलेस पर आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेंस इंग्लैंड के प्रेसीडेंट हेनेरी आर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेंस से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया है।

'संकल्प एक लाख अंगदान से जीवनदान' अभियान को मिली नई गति, संभाग स्तर पर व्यापक सहभागिता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मिताशा फाउंडेशन के नेतृत्व में संचालित 'संकल्प एक लाख अंगदान से जीवनदान' अभियान के अंतर्गत आज अंगदान हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन सी.एम.ई. का आयोजन किया गया। इस आयोजन में इंदौर संभाग के विभिन्न जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों की व्यापक एवं सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जो इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने की दिशा में एक सशक्त पहल है। कार्यक्रम में संभागायुक्त कार्यालय से ज्वाइंट कमिश्नर डी.एस. यादव, स्वास्थ्य संचालनालय से वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गाडरिया, एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर से डॉ. मनीष पुरोहित, मिताशा फाउंडेशन से आलोक सिंघी तथा एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व डीन डॉ. संजय दीक्षित की विशेष उपस्थिति रही। इंदौर जिले से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी एवं सिविल सर्जन डॉ. एम.पी. सिंह सहित धार जिले से डॉ. अनीता सिंगारे एवं डॉ. मुकुंद बर्मन, झाबुआ जिले से डॉ. बी.एस. बघेल एवं डॉ. मोहन मालवीय, खंडवा जिले से डॉ. ओमप्रकाश चुगनावत एवं डॉ. अनिलकुमार कोशल, खरगोन जिले से डॉ. ललित सिंह चौहान एवं डॉ. राजकुमार देवड़ा, बड़वानी जिले से डॉ. सुरेन्द्र जामरे एवं डॉ. मनोज खन्ना, बुरहानपुर जिले से डॉ. राजेन्द्र वर्मा एवं डॉ. दर्पण टोके तथा अलीराजपुर जिले से डॉ. राजेश अलूनकर एवं डॉ. प्रकाश टोके सहित सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सहभागिता की। साथ ही संभाग के समस्त खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे।

प्रभादेवी स्थित रवीन्द्र नाट्य मंदिर पर मिलेगा 37 वां ग्लोबल लेजेंड्स अवार्ड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री एवं राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक गिरीश शर्मा आदित्य के नाम शुक्रवार 10 अप्रैल को मुंबई के प्रभादेवी स्थित रवीन्द्र नाट्य मंदिर में संस्था द स्माइलिंग सोल्स की मेजबानी में आयोजित कार्यक्रम में एक नया कीर्तिमान बनेगा। उन्हें इस संस्था की ओर से भारतीय मुद्रा जगत में 55 वर्ष के लम्बे सेवाकाल के दौरान डेढ़ लाख से अधिक सिक्कों के संग्रह, टेराकोटा, खनिज और कलाकृतियों के संग्रह तथा ब्रिटिश म्यूजियम लंदन और ऑक्सफ़ोर्ड में व्याख्यान सहित अब तक मिले 36 जीवन गौरव अवार्ड एवं मुद्रा रत्न जैसे सम्मानों के लिए 37 वीं बार 'ग्लोबल लेजेंड्स अवार्ड' प्रदान किया जाएगा।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्कः94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

युद्धविराम या नई जंग की शुरुआत, लेबनान हमले के बाद फिर बढ़ी पश्चिम एशिया में तनाव की आशंका

सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इजराइल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि युद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए। विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलगाम बयानबाजियां जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है। निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहां के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद ईरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत - लोकतंत्र अब जनता की मुट्ठी में

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था—लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया। चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं-असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं।

असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल लोगों को बूथ तक

ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है। असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे। केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है।

केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है। बारिश के बावजूद बूथों पर लगी लंबी कतारों ने बता दिया कि यहां का नागरिक मतदान को अधिकार से अधिक कर्तव्य मानता है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदान के लिए पहुंचे। युवाओं ने बेरोजगारी, तकनीकी शिक्षा और बेहतर अवसरों के सवाल उठाए, जबकि महिलाओं ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी। केरल के मतदाता ने साफ कर दिया कि अब राजनीति केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहेगी। जनता का विश्वास उसी दल को मिलेगा, जो उसकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा। इन चुनावों में अगर किसी ने पूरे देश को सबसे ज्यादा चौंकाया, तो वह पुडुचेरी था। केवल 9.5 लाख मतदाताओं वाले इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 86.92 प्रतिशत मतदान ने लोकतंत्र की नई मिसाल कायम कर दी। 30 सीटों वाले पुडुचेरी में एनडीए, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और अन्य दलों के बीच मुकाबला था, लेकिन सबसे बड़ी जीत जनता की भागीदारी की रही। कराईकल, पुडुचेरी और आसपास के इलाकों में सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। स्थानीय रोजगार, पर्यटन, बुनियादी सुविधाएं, विकास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों ने लोगों को बूथ तक पहुंचाया। इस छोटे प्रदेश ने पूरे देश को बता दिया कि लोकतंत्र की ताकत आबादी से नहीं, नागरिकों की जागरूकता से तय होती है। असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है। 4 मई को नतीजे आएंगे, सरकारें बनेंगी और समीकरण बदलेंगे, लेकिन इन चुनावों की सबसे बड़ी जीत पहले ही सामने आ चुकी है। वह जीत है जनता का यह विश्वास कि उसकी उंगली पर लगी स्याही केवल निशान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

चालान की बरसात में मौत का खुला खेल, सड़कों पर बंद होते धड़कते दिल

इंदौर की सड़कों पर आज एक खतरनाक और शर्मनाक सच्चाई निर्वस्त्र खड़ी है, एक तरफ खजाने में चालानों डेरा वसूली का ओवरफ्लो हो रहा है, दूसरी तरफ सड़कें पर खून बिखर रहा है। 2026 की पहली तिमाही में पुलिस ने 1 लाख से ज्यादा चालान काटकर ?4.37 करोड़ की रिकॉर्ड वसूली तो कर ली है, लेकिन सवाल सीधा है, क्या इतने चालन काटने के बावजूद मौत का तांडव रुका है? जवाब स्पष्ट है, नहीं, बल्कि हालात और भयावह होते जा रहे हैं। आंकड़े चीख रहे हैं कि शहर के भीतर हर साल करीब 300 मौतें होती हैं, लेकिन आउटर इलाकों में यह संख्या 2400 तक पहुँच जाती है। यानी जहाँ खतरा सबसे ज्यादा है, वहीं व्यवस्था सबसे ज्यादा कमजोर है। शहर के चौराहों पर चालान काटना आसान है, लेकिन हाईवे पर दौड़ती मौत को रोकना प्राथमिकता में नहीं दिखाई पड़ती। एनएचएआई के आंकड़े भय और सिरहन पैदा करते हैं, 60 से 65% दुपहिया चालक बिना हेलमेट और 50 से 60% चार पहिया चालक बिना सीट बेल्ट के फर्राटा भर रहे हैं। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, यह खुलेआम मौत को न्योता देना है, और उससे भी बड़ा अपराध है इसे रोकने में सिस्टम की नाकामी।

नियमों की धज्जियां, सिस्टम की चुप्पी- जनवरी से मार्च तक चालानों की संख्या लगातार बढ़ी—31,813 से 36,679 तक। इसका मतलब साफ है, नियम तोड़ना अब डर नहीं, आदत बन चुका है। लाल बत्ती कूदना, रॉन्ग साइड चलना और तेज रफ्तार अब 'वीरता' नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति पा चुका अपराध है। लेकिन असली सवाल यह है, क्या पुलिस का काम सिर्फ चालान का ग्राफ ऊपर चढ़ाना रह गया है। अगर हाँ, तो यह व्यवस्था नहीं, महज राजस्व वसूली मशीन है। शहर के भीतर कैमरे, चेकिंग और सख्ती दिखाई देती है, क्योंकि वहाँ सब कुछ 'दिखाने' लायक है। लेकिन शहर की सीमाओं, ब्लैक स्पॉट्स और हाईवे पर वही सिस्टम अदृश्य है। यही वो जगहें हैं जहाँ हर दिन जिंदगी हार रही है और सिस्टम खामोश दर्शक बना हुआ है।

एनएचएआई और ट्रैफिक पुलिस के 'संयुक्त प्रयास' की बातें अब तक सिर्फ फाइलों में ही दौड़ रही हैं। जमीन पर इनका असर ढूंढना मुश्किल है। एक कड़वा सच यह भी है कि, हम खुद भी इस मौत के खेल में बराबर के पार्टनर हैं। हेलमेट और सीट बेल्ट को हम सुरक्षा नहीं, चालान से बचने का हथियार मानते हैं। ?500-?1000 बचाने के चक्कर में हम अपनी जिंदगी दांव पर लगा देते हैं। यह चतुराई नहीं, सामूहिक आत्महत्या की मानसिकता है।

इंदौर को सिर्फ चालान नहीं, एक सख्त और ईमानदार रोडमैप चाहिए। टोल नाकों और आउटर एरिया में ऑटोमैटिक मॉनिटरिंग और चालान सिस्टम तुरंत लागू हो। जहाँ सबसे ज्यादा मौतें रिकार्ड की गई हैं, वहाँ 24म7 निगरानी और सुधार कार्य अनिवार्य हो। नियम तोड़ने वालों के लिए सिर्फ जुर्माना नहीं, सख्त कार्रवाई और सामाजिक जवाबदेही तय हो। पुलिस, निर्माण विभाग, परिवहन विभाग और एनएचएआई मिलकर परिणाम दिखाएं, बहाने नहीं।

अगर करोड़ों की वसूली के बाद भी सड़कें खून मांग रही हैं, तो यह सिर्फ सिस्टम की नहीं, हम सबकी नाकामी है।

हेलमेट सिर बचाने के लिए है, पुलिस की फाइल भरने के लिए नहीं।

सीट बेल्ट जिंदगी बांधती है, सिर्फ चालान से नहीं बचाती।

इंदौर को तय करना होगा, क्या वह 'नंबर वन' सिर्फ सफाई में रहेगा, या फिर सड़कों पर भी जीवन की कीमत समझेगा।

— राजकुमार जैन,
यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

नवकार महामंत्र दिवस पर लिया रात्रि भोजन त्यागने का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●अंतरराष्ट्रीय नवकार महामंत्र दिवस पर दिगंबर जैन समाज धर्मशाला में सामूहिक नमोकार मंत्र जाप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 200 श्रावकों ने 21 हजार नमोकार मंत्रों का जाप किया और रात्रि भोजन त्यागने का संकल्प लिया। यह आयोजन सुबह 10 बजे सेवानिवृत्त अध्यापक सुरेंद्र जैन, विमल कुमार जैन और विजय जैन के सान्निध्य में हुआ। उन्होंने नमोकार मंत्र जाप की नियमावली के साथ जप विधि का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सोहिल जैन, नेहा जैन और अरिहंत जैन ने किया। अभिषेक जैन, अरिहंत जैन, सुदीप जैन, मनन जैन और ऋतुराज जैन ने प्रभावना वितरित की। विकास गोधा, विनीत जैन, विनोद जैन, अनिल जैन और सुनील जैन ने समाज में एकता का संदेश दिया। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष जितेंद्र जैन, सचिव आशीर्वाद जैन, कोषाध्यक्ष मनीष बड़जात्या और त्रिशला महिला मंडल की अध्यक्ष नीना विकास जैन सहित समिति सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभालीं। मीडिया प्रभारी सौरभ जैन, प्रमोद छाबड़ा और शैलेश जैन ने प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिला मंडल की प्रेरणा जैन, विद्या जैन, आयुषी जैन, भारती जैन, ममता जैन, नीता जैन, अर्चना जैन, रीना बड़जात्या, शुद्धि जैन, रीता जैन और सुरभि जैन ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। अंत में, त्रिशला महिला मंडल की सचिव स्नेहा सौरभ जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रात में रोटरी हटाई, दिन में दुकानों की नपती की, बावड़ी पर ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● शहर में स्थित चौराहों के चौड़ीकरण और यातायात सुधार को लेकर नगर पालिका की कार्रवाई तेज हो गई है। रात श्रीकृष्ण चौराहे पर करीब 10 साल पुरानी रोटरी को जेसीबी से हटाया गया। वहीं दिन में नपा कार्यालय के सामने 21 दुकानों की नपती कर मार्किंग की गई। बावड़ी बस स्टैंड क्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर को भी शिफ्ट किया गया। प्रशासन का दावा है कि इन कदमों से शहर में ट्रैफिक व्यवस्था और सुगम होगी। जल्द ही शहर के चौराहों को आकर्षक और सुंदर बनाया जाएगा। नपा अमले ने रात 10 बजे के बाद श्रीकृष्ण चौराहे पर कार्रवाई शुरू की। दो जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से रोटरी को हटाकर मलबा साफ किया गया। कार्रवाई रात करीब 12:30 बजे तक चली। इस दौरान मौजूद नपा स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते ने बताया कि रोटरी के हटने के बाद चौराहे पर वाहनों की आवाजाही आसान हो गई है। लंबे समय से इसे हटाने की प्रक्रिया की जा रही थी। परिषद की बैठक में इसे हटाने पर निर्णय लिया गया था। शहर के प्रमुख चौराहों को सुंदर और आकर्षक बनाने के साथ ही यातायात सुगम करने के लिए चौड़ीकरण किया जा रहा है।

कांग्रेस का किसान आंदोलन, डबल बैरिकेडिंग तोड़ कलेक्ट्रेट में घुसे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●कांग्रेस का किसान आंदोलन रहा, दोपहर एक बजे तपती धूप में करीब 5 हजार कांग्रेसी महाराणा प्रताप प्रतिमा के पास जुटे और कलेक्ट्रेट की तरफ कूच कर दी। रास्ते भर जमकर नारेबाजी की और दौड़ लगाते हुए आगे बढ़े कि प्रशासन के सुरक्षा घेरे ने रोक लिया। लेकिन एकजुट कांग्रेस नेताओं ने एक बार नहीं बल्कि दो जगह बैरिकेडिंग तोड़ी और कलेक्ट्रेट में घुसकर प्रदर्शन किया। आंदोलन का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने किया। सुबह 11 बजे से ही कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जुटने लग गए। मांधाता, पंधाना, हरसूद और खंडवा ग्रामीण से लोग ट्रैक्टर और गाड़ियों में भरकर आए। शहर कांग्रेस के नेताओं ने भी भागीदारी की। ऐसा पहली बार हुआ कि कांग्रेस में एकजुटता दिखाई दी। हर बड़ा और छोटा नेता आंदोलन में पहुंचा। सभी सीनियर लीडर शामिल हुए, एक तरह गुटबाजी जैसा माहौल बिल्कुल भी नहीं रहा। किसान हित और उनकी मांगों को लेकर कांग्रेस ने एकजुटता दिखाकर हुंकार भरी और सरकार के आंदोलन को अंजाम दिया।

कलेक्ट्रेट में बैरिकेडिंग की चढ़ाई के बाद कूदते वक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी गिरते हुए बच गए। वहीं उनके पिता और सीनियर लीडर राजनारायण सिंह पुरनी को तारफेंसिंग फांदना पड़ गया। इस दौरान उनकी पतलून तारों में अटक गई। पास खड़े नेताओं ने हाथ थामा और बाहर निकाला। इसी बीच शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी को भी संघर्ष करना पड़ गया। वे पहली और फिर दूसरी बैरिकेडिंग देखकर तारफेंसिंग पर चढ़ गई, वहां से कूदकर शिक्षा विभाग के गेट को फांदकर सीधे कलेक्ट्रेट पहुंच गई।

पॉलिटेक्निक में 2.23 करोड़ से बनेगा आधुनिक वर्कशॉप भवन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। जीजा माता शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बुरहानपुर में कार्यशाला भवन निर्माण के लिए 2 करोड़ 23 लाख 75 हजार रुपए की पुनरीक्षित स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति न केवल संस्थान की अधोसंरचना को सुदृढ़ करेगी, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक, उन्नत और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में भी सहायक होगी। विधायक अर्चना चिटनिस के सतत प्रयासों से यह राशि स्वीकृत हुई है। उन्होंने इस विषय को शासन स्तर पर प्राथमिकता के साथ उठाया और महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विधायक ने बताया कि प्रस्तावित कार्यशाला भवन में आधुनिक मशीनरी,

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए उन्नत संसाधन स्थापित किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी।

निगम का नया भवन बनेगा, महापौर पटेल ने चौराहों के सौंदर्यीकरण के भी दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर में बुधवार शाम महापौर माधुरी अतुल पटेल ने नगर निगम सभागार में विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने नगर निगम के नवीन कार्यालय भवन निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसकी निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर कार्य तत्काल शुरू किया जाए।

इसके अतिरिक्त, शहर के प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण और उन्नयन पर भी विशेष जोर दिया गया। महापौर ने जीजा माता चौराहा, शिकारपुर थाने के पास स्थित चौराहा, सिंधी बस्ती चौराहा और गणपति थाना चौराहे के उन्नयन कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

बैठक में वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नाला चैनलाइजेशन कार्यों की भी समीक्षा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी नाला सुधार और चैनलाइजेशन कार्य वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले हर हाल में पूरे कर लिए जाएं, ताकि नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े।

महापौर ने सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस बैठक में पूर्व महापौर अतुल पटेल, निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री प्रेम कुमार साहू, सहायक आयुक्त स्वर्णिका वर्मा, सहायक आयुक्त रितेश पाटीदार, लेखा अधिकारी विक्रम पोरवाल, सहायक यंत्री अशोक पाटिल, गोपाल महाजन, कार्यालय अधीक्षक संदीप तिवारी, जन संपर्क अधिकारी हरिश मोरे, निगम सचिव संजय शाह और गणेश पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को टैक्स के दायरे में लाने का आरोप, कांग्रेस का धरना

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● गुरुवार दोपहर कलेक्ट्रेट के बाहर कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया। शहर और ग्रामीण कांग्रेस द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में पूर्व विधायक और ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र महाजन तथा शहर कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू टाक सहित कई नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को इनकम टैक्स के दायरे में लाना चाहती है। ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र महाजन ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की विरोधी है और उनकी कमर तोड़ रही है।

महाजन ने यह भी कहा कि गेहूं, मक्का और चना की खरीदी किसानों से नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यापारी माल खरीदकर किसानों के नाम पर तौल रहे हैं, जिसका लाभ भाजपा से जुड़े व्यापारियों को मिल रहा है। उन्होंने गेहूं खरीदी की तारीख बार-बार बढ़ाने पर भी सवाल उठाए। पूर्व विधायक ने बताया कि जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, फर्टिलाइजर के दाम 10 गुना बढ़ गए हैं। मध्य प्रदेश में कूपन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे किसानों को खाद मिलने में परेशानी हो रही है और ब्लैक में ऊंचे दामों पर खाद बिक रहा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू टाक ने फसल बीमा न होने और सोयाबीन व मक्का को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने इन्हीं समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और बाद में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में किसानों की संख्या कम रही, जबकि ज्यादातर कांग्रेस नेता ही उपस्थित थे।

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवाहाटी। (एजेंसी) • बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें मैच में सीजन की दो बेहतरीन टीमों राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु का आमना-सामना होगा, जिसमें एक टीम दूसरी टीम की जीत की लय तोडना़ चाहेगी। राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध आठ विकेट से जीत के साथ इस सीजन अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद गुजरात टाइटंस को छह रन से हराया और फिर मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 रन से मुकाबला जीता। यह टीम जीत की हैट्रिक लगाकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर है।

वहीं, आरसीबी शुरुआती दोनों मैच अपने नाम करते हुए प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर है। इस टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को 43 रन से हराया था। दोनों टीमों के पास जबरदस्त बैटिंग लाइन-अप है। हालांकि रियान पराग की कप्तानी में आरआर की गेंदबाजी थोड़ी ज्यादा संतुलित नजर आ रही है। दोनों टीमों के तेज गेंदबाज नई गेंद से उतने ही खतरनाक हैं।

शुभमन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी) • गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल का आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत का मजा उस समय किरकिरा हो गया जब धीमी ओवर गति के लिए उनपर जुर्माना लग गया। गुजरात को इस रोमांच मुकाबले में एक रन से जीत मिली। वहीं मैच समाप्त होने के कुछ समय बाद ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुभमन पर जुर्माना लगा दिया। टीम की धीमी ओवर गति के लिए शुभमन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में गुजरात की पहली गलती थी। आईपीएल आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर रेट बनाए रखना जरूरी होता है। अगर कोई टीम इसमें गलती करती है तो कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है। ये गुजरात का पहला अपराध था, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा। अब अगर अगली बार ऐसा होता है तो सजा और कड़ी हो सकती है।

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म धुरंधर: द रिवेंज की सफलता के बाद सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की।

भारत के खिलाफ टेस्ट नहीं खेलेंगे राशिद

नई दिल्ली (एजेंसी) •कमर के आपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। उन्होंने बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस की जीत में अहम भूमिका निभाई और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने कहा है कि सर्जरी के बाद अब वह लय में आ चुके हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है, लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं। राशिद ने कहा, मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो ? मैं सौ टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो सौ साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।

फिल्म 'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी

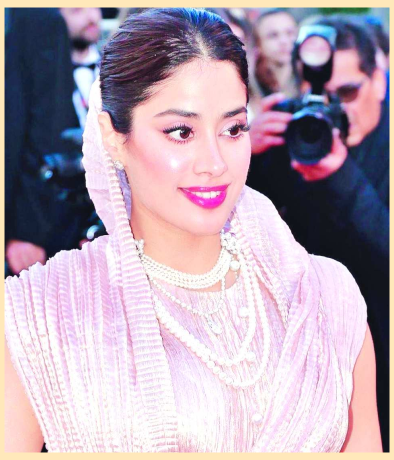

मुंबई (एजेंसी) •फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा।

उज्जैन संभाग

बोरवेल में फंसा दो साल का मासूम, चट्टानें आने से रुकी खुदाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •उज्जैन से करीब 75 किलोमीटर दूर बड़नगर के पास झालरिया गांव में दो साल का भागीरथ देवासी खुले बोरवेल में फंसा है। रेस्क्यू टीम को उसकी लोकेशन 75 फीट की गहराई पर मिली है। भागीरथ तक पहुंचने के लिए 5 पोकलेन मशीनों की मदद से समानांतर सुरंग बनाई जा रही है। अब तक करीब 40 फीट खुदाई हो चुकी है। चट्टानें आने की वजह से खुदाई में परेशानी हो रही है। 200 फीट गहरे बोरवेल में पानी भी है। चट्टानें तोड़ने के लिए रेस्क्यू टीम ने हैमर मशीन बुलाई है। ऐसे में भागीरथ के हाथों में रिंग फंसाकर उसे बोरवेल से बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है।

भागीरथ गुरुवार शाम करीब साढ़े 7 बजे बोरवेल में गिरा था। भोपाल से पहुंची एनडीआरएफ की टीम, हरदा, इंदौर और उज्जैन की एसडीआरएफ के साथ जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। बोरवेल में कैमरा डालकर बच्चे की स्थिति पर नजर रखी जा रही

है। उसे ऑक्सीजन सपोर्ट भी दिया जा रहा है। मौके पर 2 एंबुलेंस भी तैनात हैं। भागीरथ पिता प्रवीण देवासी, राजस्थान के पाली जिले का रहने वाला है। परिवार पिछले तीन दिन से इलाके में भेड़ चराने के लिए रुका हुआ था। परिजन के मुताबिक, बच्चा दीवार के पास खेल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह सीधे अंदर गिर गया। मां ने उसे गिरते देखा और बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहराई में जा चुका था।

वेदविद्या प्रतिष्ठान के सचिव की नियुक्ति पर हाईकोर्ट का नोटिस, छड़ी से छात्र को पीटने के बाद फिर सुर्खियों में प्रतिष्ठान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान में छड़ी से छात्र की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद अब प्रतिष्ठान के सचिव विरूपाक्ष जड्डीपाल की नियुक्ति को लेकर इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने अहम आदेश जारी करते हुए महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, सचिव विरूपाक्ष जड्डीपाल सहित अन्य के खिलाफ नोटिस जारी कर छह सप्ताह में जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने वेद शिक्षक स्वप्निल पाठक द्वारा दायर रिट याचिका में सचिव जड्डीपाल की नियुक्ति को अवैध बताया है। इसके बाद कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए नोटिस जारी कर छह सप्ताह में जवाब तलब किया है। एडवोकेट गार्गी पाठक ने बताया कि 9 जनवरी को इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

सिंहस्थ मेले की तैयारियों से संत प्रसन्न: घाट, डायवर्जन और ब्रिज कार्यों की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • साधु-संतों ने अधिकारियों के साथ सिंहस्थ मेले के लिए चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। सबसे पहले संतों ने शनि मंदिर स्थित नए बन रहे घाटों का अवलोकन किया। इसके बाद वे कान्ह डायवर्जन और वाकणकर ब्रिज के निर्माण कार्य देखने पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने संतों को क्षिप्रा घाट, क्षिप्रा शुद्धिकरण योजना और कान्ह नदी डायवर्जन परियोजना के तहत बन रही टनल के कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान रामादल अखाड़ा परिषद के रामेश्वर दास, महंत सत्यानंद (बड़ा उदासीन अखाड़ा), भगवान दास (निर्मोही अखाड़ा), महावीर दास महाराज, चरणदास, महेश दास, दिग्विजय दास और राजीव लोचन दास सहित अन्य साधु-संत मौजूद रहे।अंत में संतों ने वाकणकर ब्रिज का निरीक्षण किया। इसके बाद हरी फाटक

ब्रिज के पास स्थित पार्किंग में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सभी संतों का फूल-माला, शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया। गुरुवार सुबह शनि मंदिर पर सभी साधु-संतों ने घाटों के निर्माण काम का निरीक्षण किया और प्रसन्नता व्यक्त की। बड़ा उदासीन अखाड़े के महंत सत्यानंद महाराज ने बताया कि अधिकारियों के अनुसार घाट निर्माण का कार्य 42 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ जैसे विश्वस्तरीय मेले का प्रबंधन भी उसी स्तर का होना चाहिए। साथ ही आम जनमानस की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए स्नान को सुगम बनाने के उद्देश्य से तीन घाटों पर व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाएगी, जिससे उन्हें सीधे जल तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा।

अखाड़ा परिषद के दो गुटों और उनके अलग-अलग निरीक्षण को लेकर महंत सत्यानंद महाराज ने कहा कि देश में 13 अखाड़े हैं और उनमें एकजुटता बनाए रखने का दायित्व पंच परमेश्वर का है। पंच परमेश्वर इस दिशा में अपने स्तर पर कार्य भी कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी एक का एकछत्र नेतृत्व स्वीकार्य नहीं हो सकता। यहां होने वाले सभी कार्य सामूहिक हैं, व्यक्तिगत नहीं। उन्होंने कहा कि संत बनने का अर्थ ही व्यापक दृष्टि रखना है, इसलिए इस विषय पर वे किसी भी नकारात्मक बयानबाजी से बचेंगे।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सिंहस्थ से जुड़े कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। इसी क्रम में संत-महात्माओं और गुरुजनों को निर्माण कार्यों का भ्रमण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ की दृष्टि से करीब 29 किलोमीटर लंबे नए घाटों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। कलेक्टर ने यह भी कहा कि मेले में संतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आज उनसे जो सुझाव प्राप्त हुए हैं, उन पर निश्चित रूप से अमल किया जाएगा।

सड़क नपती के दौरान विवाद, कांग्रेस नेता और बीजेपी पार्षद में झड़प

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सड़क चौड़ीकरण की नपती के दौरान कांग्रेस नेता अशोक भाटी और बीजेपी पार्षद गब्बर भाटी के बीच विवाद हो गया। यह विवाद धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गया, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा। फिलहाल क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। यह घटना पीपलीनाका चौराहे से जूना सोमवारिया चौराहे तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण काम के तहत हुई। उज्जैन विकास प्राधिकरण (ष्ठ) और नगर निगम की टीम मौके पर सेंट्रल लाइन की नपती करने पहुंची थी, तभी दो राजनीतिक पक्ष आमने-सामने आ गए। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल मार्किंग के दौरान कांग्रेस नेता अशोक भाटी ने नपती के तरीके पर आपत्ति जताई। वहीं, बीजेपी पार्षद गब्बर भाटी ने अलग तरीके से नपती करने की बात कही। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही धक्का-मुक्की और हाथापाई में बदल गई। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी काम छोड़कर मौके से हट गए। बीजेपी पार्षद गब्बर भाटी ने आरोप लगाया कि नपती के दौरान टेप लेकर

उनके घर के अंदर तक माप लेने की कोशिश की गई, जिसका उन्होंने विरोध किया। उन्होंने कहा कि इसी बात को लेकर विवाद हुआ और अधिकारियों को भी वहां से हटना पड़ा। हालांकि, उन्होंने मारपीट की घटना से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद भी है, जो इस घटना के दौरान फिर सामने आ गया। जीवाजीगंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के सामने भी दोनों पक्ष विवाद करते रहे और आमने-सामने हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और दोनों पक्षों को अलग किया गया।

ब्रिज निर्माण कार्यों में तेजी के चलते व्यापारी परेशान, 8 दिन से प्रदर्शन जारी, आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल ब्रिज निर्माण के कारण साप्ताहिक हाट बाजार को हटाए जाने का विवाद बढ़ता जा रहा है। 8 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों ने वैकल्पिक स्थान न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। प्रशासन ने इस समस्या का समाधान 4 दिनों में निकालने का आश्वासन दिया है। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में महाकाल ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस ब्रिज के नीचे वर्षों से लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार को हटाने की प्रक्रिया शुरू होते ही व्यापारियों ने विरोध जताना शुरू कर दिया था। गुरुवार को व्यापारियों ने एकजुट होकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अपनी मांग दोहराई कि उन्हें विकास कार्यों से आपत्ति नहीं है, लेकिन बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हाट बाजार हटाना उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा कर देगा। हाट यूनियन से जुड़े व्यापारी राजू ने बताया कि सोमवार को कमिश्नर और असिस्टेंट कमिश्नर के साथ हुई बैठक में होटल इम्पीरियल के पीछे स्थित स्मार्ट पार्किंग में हाट लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। व्यापारी इस स्थान पर सहमत भी थे, लेकिन अब अधिकारी बार-बार उस जगह से इनकार कर रहे हैं।

गौतम पार्क कॉलोनी में अनुमतियों का भी है बड़ा खेल

कॉलोनाइजर के जाल में बुरे फंसे प्लाट धारक, न्याय की लगा रहे गुहार

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत गौतमपार्क कॉलोनी के कॉलोनाइजर के जाल में बुरी तरह फंसे प्लाट धारक अब न्याय की गुहार लगा रहे। कॉलोनाइजर ने नगर परिषद गौतमपुरा को लाखों का टैक्स जमा नहीं किया इतना ही नहीं जो प्लांट ग्राहकों को बेचे गए थे, उन्होंने मकान निर्माण का काम चालू कर दिया लेकिन नगर परिषद से कोई परमिशन नहीं ली गई। प्लाट धारक अब असमंजस की स्थिति में फंस चुके हैं कॉलोनाइजर ने नगर परिषद के साथ-साथ ग्राहकों के साथ भी धोखाधड़ी की दूसरी सबसे बड़ी बात इस कॉलोनी में अलग-अलग लोगों ने ग्राहकों को प्लांट बेचे हैं लेकिन वह बात करने को तैयार नहीं है।

इससे उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है। निवासियों का आरोप—कॉलोनी के नाम पर ठगी कॉलोनी निवासी राजेंद्र और प्लॉट मालिकों में से संजय का कहना है कि 'यह कॉलोनी के नाम पर सिर्फ ठगी है। बड़े-बड़े वादे कर प्लॉट बेचे गए, लेकिन कोई भी सुविधा धरातल पर नजर नहीं आती बिजली-पानी और सड़क की हालत बदहाल कॉलोनी में बिजली व्यवस्था अधूरी है, कई जगहों पर तार तक नहीं जुड़े हैं। पानी निकासी और सड़क निर्माण भी अधूरा पड़ा है, जिससे रहवासियों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं यह सवाल भी उठ रहा है कि बिना पूरी अनुमति और टैक्स भुगतान के कॉलोनी कैसे विकसित हो गई सूत्र बताते हैं कॉलोनी विकसित करने के पहले मोटा लेनदेन हुआ और यही वजह है आज तक गौतम पार्क कॉलोनी में कोई बड़ी कार्यवाही नहीं की गई।

कॉलोनाइजर ने अनुमतियों में भी बड़ा खेल कर दिया गौतमपुरा नगर परिषद में केवल विकास अनुमति दर्ज है लेकिन कॉलोनी अबतक नगर परिषद के हैंड ओवर नहीं की गई पीड़ित

गौतम पार्क कॉलोनी के कॉलोनाइजर का बड़ा खेल उजागर

कॉलोनाइजर ने नहीं जमा किया 13 लाख रुपए का टैक्स, सरकार को लगाया लाखों का चूना

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत गौतमपुरा के कॉलोनाइजरों ने अवैध कॉलोनी के साथ भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा है। आम जनता तो ठीक कॉलोनाइजर भी अब सरकार को भी चूना लगाने का काम कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं गौतमपुरा की गौतम पार्क कॉलोनी की। कॉलोनाइजर ने ग्राहकों को प्लाट तो बेच दिए, लेकिन गौतमपुरा नगर परिषद को

डील की अलग-अलग लोगों ने ग्राहकों को प्लाट बेचे। अब यह

दूर तक कोई दर्शन नहीं है। कॉलोनी में ड्रेनेज भी नहीं है।

ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी पर एफआईआर भी दर्ज करवाएंगे।

का कहना है कॉलोनाइजर क्षेत्र से गायब है फोन लगाओ तो फोन नहीं उठाते हैं आखिर अब पीड़ित प्लाट धारक जाए तो किसके पास जाए अब पीड़ितों को कानून और न्याय पर भरोसा है पीड़ित कल देपालपुर एसडीएम प्रदीप सोनी को लिखित शिकायत करेंगे साथ ही कॉलोनाइजर पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया जाए साथ ही पीड़ित प्लाट धारको को न्याय दिलाया जाए।

गौतमपुरा क्षेत्र अवैध कॉलोनी का गढ़ बनता जा रहा है पहले भी क्षेत्र की दो कॉलोनी को अवैध कॉलोनी घोषित किया गया है लेकिन सत्ता और अपने रसूक के दम पर कुछ कॉलोनाइजर क्षेत्र में सक्रिय हैं जो शासन प्रशासन के नियमों को ताक पर रखकर काम करते हैं कॉलोनाइजरों के लिए ना नियम है ना कानून है ना कायदे हैं देखा जाए तो कॉलोनाइजर सरकार को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं अब देखना होगा प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या कार्यवाही करता है।

इंदौर पुलिस का 'देवदूत' अवतार

धधकती ज्वालाओं के बीच से 3 मासूमों को सुरक्षित निकाल लाए खजराना के जांबाज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के खजराना क्षेत्र में उस वक्त चीख-पुकार मच गई जब सकीना महल के पास बाबू पटेल के मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया, जहाँ तीन मासूम बच्चे काल बनकर मंडराती लपटों के बीच फंस गए थे। इस भयावह मंजर के बीच खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव अपनी टीम के साथ किसी रक्षक की तरह मौके पर पहुँचे। उन्होंने फायर ब्रिगेड की प्रतीक्षा में कीमती समय बर्बाद करने के बजाय अदम्य साहस का परिचय दिया और तत्काल स्थानीय बोरिंग शुरू करवाकर मोर्चेबंदी की। अपनी जान की परवाह न करते हुए थाना प्रभारी और उनकी टीम धुएं के गुबार को चीरकर तीसरी मंजिल तक जा पहुँची और मौत के साए से तीनों बच्चों को सकुशल बाहर निकाल लिया। मनोज सिंह सेंधव की इस त्वरित निर्णय क्षमता, सूझबूझ और 'वर्दी के पीछे छिपे संवेदनशील इंसान' वाले जज्बे ने न केवल तीन घरों के चिराग बुझने से बचा लिए, बल्कि यह साबित कर दिया कि जब रक्षक अपनी कर्तव्यनिष्ठा पर उतारू हो, तो साक्षात यमराज को भी पीछे हटना पड़ता है। उनके इस अदम्य साहस की आज पूरे शहर में मिसाल दी जा रही है।

मेट्रो परियोजना : अतिक्रमण से मुआवजे तक उठे सवाल

जिन्हें बताया अतिक्रमण, उनके लिए भी जारी किया करोड़ों का मुआवजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर की बहुचर्चित मेट्रो परियोजना अब सवालों के घेरे में है। बड़ा गणपति चौराहा से पीलिया खाल तक बन रहे अंडरग्राउंड स्टेशन के बीच पहले जिन मकानों को अतिक्रमण बताकर हटाने की तैयारी थी, अब उन्हीं को करोड़ों का मुआवजा दिया जा रहा है। अचानक हुए इस बदलाव ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और परियोजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीलिया खाल क्षेत्र के करीब 16 मकान मेट्रो निर्माण की जद में हैं। शुरुआत में जिला प्रशासन ने इन्हें अतिक्रमण मानते हुए हटाने के नोटिस जारी किए थे। तहसीलदार मल्हारगंज की कार्रवाई के बाद रहवासियों में हड़कंप मच गया था। मामला तब पलटा, जब प्रभावित परिवारों ने एडवोकेट और कांग्रेस नेता प्रमोद कुमार द्विवेदी से संपर्क किया। द्विवेदी ने दस्तावेज और तथ्य प्रस्तुत कर अधिकारियों से बातचीत की, जिसके बाद प्रशासन का रुख बदल गया।

मुआवजे में बड़ा अंतर, भेदभाव के आरोप पहले जहां प्रभावितों को लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपए का मुआवजा प्रस्तावित था, वहीं अब यह राशि बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए से अधिक कर दी गई। कुछ परिवारों ने इस मुआवजे पर सहमति दे दी है, लेकिन कई परिवारों ने चेहरा देखकर मुआवजा तय करने का आरोप लगाया है।

बिना जमीनी हकीकत के फैसला... इस पूरे घटनाक्रम ने मेट्रो परियोजना की योजना प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि बिना सही दस्तावेजी जांच और जमीनी स्थिति को समझे योजना बनाई जा रही है, जिसके चलते बार-बार फैसले बदले जा रहे हैं। द्विवेदी ने सवाल उठाया कि जब छोटा गणपति चौराहा पर ऊपरी हिस्से के मकानों को हटाए बिना मेट्रो स्टेशन बनाया जा सकता है, तो पीलिया खाल या अन्य स्थानों पर ऐसा विकल्प क्यों नहीं अपनाया गया? बिजासन माता मंदिर, बीएसएफ कैंपस, रामचंद्र नगर चौराहा जैसे क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से मेट्रो निर्माण की योजना बनाई गई है।

होलकर साइंस कॉलेज में नए कोर्स शुरू जल्द पूरी तरह ऑनलाइन होगा सिस्टम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • होलकर साइंस कॉलेज में नए सत्र से दो नए कोर्स एमए योग और एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स शुरू होने जा रहे हैं। इन कोर्सेस को मंजूरी मिल चुकी है और इन्हें इस बार से ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। एमए योग में 40 और एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स में 80 सीटें रहेंगी। एडमिशन मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत मेरिट के आधार पर होंगे। खास बात यह है कि इन कोर्सेस की मांग पिछले तीन साल से की जा रही थी।

हर साल बढ़ रहे नए कोर्स-कॉलेज में पिछले पांच साल में बीएससी और एमएससी के 10 से ज्यादा स्पेशलाइजेशन शुरू किए जा चुके हैं। यहां एडमिशन का कटऑफ भी काफी ऊंचा रहता है। कई कोर्सेस में 90 प्रतिशत से अधिक, जबकि अधिकांश में 80-90 प्रतिशत के बीच रहता है। कॉलेज अब एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है। 1 जुलाई से पहले संस्थान में पूरी तरह ऑटोमेशन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। अभी तक केवल कुछ प्रक्रियाएं ही ऑनलाइन थीं, बाकी के लिए छात्रों को कॉलेज आना पड़ता था।

फीस और सभी प्रक्रियाएं होंगी ऑनलाइन

नई प्रक्रिया में फीस, परीक्षा शुल्क, पेनल्टी सहित सभी तरह के भुगतान पूरी तरह ऑनलाइन किए जाएंगे। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन के अनुसार, ऑटोमेशन प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है और यह अगले 3-4 महीनों में पूरी तरह लागू हो जाएगा। नए सत्र से छात्रों को क्लास अटेंड करने के अलावा कोई भी प्रक्रिया मैन्युअली नहीं करनी पड़ेगी। इससे छात्रों का समय बचेगा और पूरी प्रक्रिया अधिक सरल व सुविधाजनक हो जाएगी।

विवेक खंडेलवाल एवं देवेंद्र सिंह यादव का तीखा हमला और खुला आमंत्रण

इंदौर नगर निगम की घटना के बाद महापौर को दिया भाजपा छोड़ने का न्योता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कांग्रेस सेवा दल, इंदौर के कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल एवं शहर कांग्रेस, इंदौर के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने इंदौर नगर निगम में कल हुई घटना को लेकर भाजपा पर जोरदार और तीखा हमला बोला है।

नेताओं ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भाजपा की वास्तविक सोच और कार्यशैली को भी उजागर करती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम जैसी संवैधानिक संस्था में इस प्रकार का व्यवहार जनप्रतिनिधियों की गरिमा के खिलाफ है और जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवाद की परंपरा को लगातार कमजोर कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का इतिहास राष्ट्रध्वज के सम्मान को लेकर सवालों से घिरा रहा है और उससे जुड़े संगठनों ने लगभग 52 वर्षों तक तिरंगे को पूर्ण रूप से नहीं अपनाया।

साथ ही नेताओं ने कहा कि आज भी भाजपा के भीतर नाथूराम गोडसे की विचारधारा को मानने वाले तत्वों की मौजूदगी पर सवाल उठते रहे हैं, जो देश की एकता और गांधीवादी मूल्यों के खिलाफ है। इस संदर्भ में रवींद्रनाथ टैगोर के विचारों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रभक्ति केवल नारों का विषय नहीं, बल्कि विचार और आचरण का विषय है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्ची राष्ट्रभक्ति व्यवहार और कार्यों में दिखाई देनी चाहिए। दोनों नेताओं ने इंदौर के महापौर को खुला आमंत्रण देते हुए कहा कि यदि वे लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वतंत्रता आंदोलन की भावना और संविधान के प्रति सम्मान रखते हैं, तो उन्हें भाजपा छोड़कर कांग्रेस के साथ आना चाहिए। कांग्रेस के द्वार ऐसे सभी जनप्रतिनिधियों के लिए खुले हैं, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं। नेताओं ने यह भी दोहराया कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल राजनीतिक विस्तार नहीं, बल्कि देशहित और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना है, और इसी भावना के साथ महापौर सहित सभी जनप्रतिनिधियों को कांग्रेस में शामिल होने का आमंत्रण दिया जाता है।

फ्लाइंग रेस्टोरेंट बंद संचालक ने लगाए ब्लैकमेलिंग के आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में खुला एमपी का पहला फ्लाइंग डाइनिंग रेस्टोरेंट बंद हो गया है। संचालक ने गुरुवार, 09 अप्रैल को हाईकोर्ट को जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि याचिका ब्लैकमेलिंग के उद्देश्य से लगाई गई है। इंदौर में 150 फीट की ऊंचाई पर रेस्टोरेंट शुरू हुआ था। हाईकोर्ट की डबल बेंच में गुरुवार को सुनवाई हुई। संचालक की ओर से अधिवक्ता अमित सिंह सिसौदिया पेश हुए। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को ट्रेड लाइसेंस खत्म हुआ था। निगम द्वारा जारी लाइसेंस समाप्त हो गया, इस कारण रेस्टोरेंट का संचालन बंद किया गया है। याचिका अधिवक्ता चर्चिल शास्त्री ने लगाई थी। जनहित याचिका में कहा गया कि रेस्टोरेंट बिना मंजूरी के शुरू हुआ था। इसमें जनहित की सुरक्षा का मुद्दा है। संचालक ने कलेक्टर की अनापत्ति का हवाला दिया है। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनीष यादव ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अनापत्ति सशर्त दी गई थी। इसमें अन्य विभागों की मंजूरी जरूरी थी। फायर, आबकारी, निगम और एसडीएम से अनुमति जरूरी थी। यह मंजूरी नहीं ली गई थी।

क्षेत्रीय अधिकारी करेंगे स्कूलों की निगरानी

स्कूलों को हर हाल में कक्षा 6 से पढ़ानी होगी तीसरी भाषा

सीबीएसई ने 7 दिन का दिया अल्टीमेटम, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही लागू होगा आर-3 नियम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सीबीएसई ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 के लिए तीसरी भाषा यानी आर3 को अनिवार्य कर दिया है। यह फैसला नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफएसई-2023) के तहत लिया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को बहुभाषी बनाना है। अब तक कई स्कूलों में केवल 2 भाषाओं पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब बोर्ड ने साफ कर दिया है कि स्टूडेंट्स को भारतीय संविधान में शामिल भाषाओं में से 1 अतिरिक्त भाषा पढ़नी होगी। यह सिर्फ एक नया विषय नहीं है, बल्कि बच्चों को भारत की समृद्ध भाषाई विरासत और सांस्कृतिक विविधता से जोडने की कोशिश है।

कौन सी भाषाएं चुन सकते हैं स्टूडेंट्स-आर3 के तहत स्कूलों को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं में से किसी एक को चुनना होगा। इसमें हिंदी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और बंगाली जैसी कई भारतीय भाषाएं शामिल हैं। सीबीएसई का मकसद बस इतना है कि स्टूडेंट्स अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के अलावा एक और भारतीय भाषा में माहिर बन सकें।

सगाई समारोह में रिश्तेदारों के बीच खूनी संघर्ष...

खाने-पीने की बात हुआ जमकर पर विवाद...

डंडे-पेचकस से युवक पर हमला, युवक की हुई मौत...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में दो परिवारों के बीच हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। मामला सगाई समारोह में शुरू हुए झगड़े से जुड़ा है, जो बाद में सड़क पर हिंसक हमले में बदल गया। विवाद इतना बड़ा कि मारपीट के बाद एक युवक की मौत हो गई मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हे...

मामला इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र का हे जहां बुधवार रात सगाई का कार्यक्रम चल रहा था। जहां शुभम अपने परिवार के साथ वहां कार्यक्रम में शामिल होने गया था। पुलिस के अनुसार, झगड़े की शुरुआत खाने-पीने की बात को लेकर हुई थी, जो बाद में हिंसक रूप ले बैठा। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इसके बाद शुभम अपने साथियों के साथ वहां से निकल गया।

आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने उसे बायपास पर घेरकर हमला किया था जिससे उसकी मौत हो गई वही पुलिस ने मामले में शुभम के दोस्त रितिक, करण और एक अन्य युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाद करने वाले लोग आपस में रिश्तेदार हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

स्वाद का स्याह पहलू : मावा, घी, पनीर के हर महीने 5 नमूने फेल, स्वच्छ शहर में मिलावट का जहर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर पूरे देश में अपनी सफाई और स्वाद के लिए जाना जाता है, चाहे कचोरी- समोसे की बात हो या दाल बाफले की। चाहे इंदौर का पोहा हो या जलेबी। देश- दुनिया के लोग इंदौर के खाने के शौकीन हैं, लेकिन इंदौर के स्वाद का एक स्याह पहलू यह भी है कि यहां हर महीने कम से कम 5 फूड सैंपल फेल हो रहे हैं। यानी खाने पीने में जमकर मिलावट की जा रही है।

हैरान करने वाली बात है कि इंदौर में घी, मावा, पनीर, मिठाई, तेल, नमकीन आदि कई खाद्य सामग्रियों के नमूने फेल हो रहे हैं। वित्तीय वर्ष की रिपोर्ट में 893 में से 65 सैंपल हुए फेल,

480 सैंपलों की रिपोर्ट का अब भी इंतजार है। बता दें कि इंदौर स्वाद नगरी है यहां हर गली में खाने पीने की दुकान मिल जाएगी, लेकिन स्वाद के अलावा यहां गंदगी और मिलावट का भी तड़का लगाया जा रहा है। डॉक्टर ऐसे अमानक खाद्य सामग्रियों के सेवन को स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक मानते हैं।

खाद्य एवं सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में इंदौर में हर महीने 5 से ज्यादा फूड सैंपल फेल हुए हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि प्रशासन की सख्ती के बाद भी शहर में मिलावटखोर सक्रिय हैं और लोगों की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर में खाद्य सुरक्षा की स्थिति को लेकर यह चिंताजनक तस्वीर विभाग की रिपोर्ट में ही सामने आई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आंकड़े बताते हैं कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 1373 सैंपल लिए गए, जिनमें से 893 की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। इन रिपोर्ट में 65 सैंपल फेल पाए गए। 12 महीनों में 65 सैंपल फेल होने का सीधा मतलब है कि हर महीने औसत 5 से ज्यादा और हर हफ्ते 1 से ज्यादा सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे। यह आंकड़ा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह सिर्फ जांच में पकड़े गए मामलों की बात करता है। असल में बाजार में इससे कहीं ज्यादा मिलावट होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी का कहना है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 65 सैंपल फेल हुए हैं, लेकिन दूसरा पक्ष यह भी है कि 893 सैंपल में से 828 सैंपल पास हुए हैं, जो कुल सैंपलों का 92.7 प्रतिशत है, यानी इंदौर में 92 प्रतिशत से ज्यादा खाद्य पदार्थ जांच में सही पाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।